

Series GBM

कोड नं. 2/2
Code No.

रोल नं.

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 100

Maximum Marks : 100

सामान्य निर्देश :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- (iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1×5=5

मन-दीपक निष्कंप जलो रे !

सागर की उत्ताल तरंगों,

आसमान को छू-छू जाएँ

डोल उठे डगमग भूमंडल

अग्निमुखी ज्वाला बरसाए

धूमकेतु बिजली की द्युति से,

धरती का अंतर हिल जाए

फिर भी तुम ज़हरीले फन को

कालजयी बन उसे दलो रे !

कदम-कदम पर पत्थर, काँटे

पैरों को छलनी कर जाएँ

श्रांत-क्लांत करने को आतुर

क्षण-क्षण में जग की बाधाएँ

मरण गीत आकर गा जाएँ

दिवस-रात, आपद-विपदाएँ

फिर भी तुम हिमपात तपन में

बिना आह चुपचाप जलो रे !

- (क) कविता किसे संबोधित है और उसे क्या करने को कहा गया है ?
- (ख) कालजयी बनकर कैसी बाधाओं का दलन करने को कहा गया है ?
- (ग) पत्थर, काँटे किसके प्रतीक हैं ? वे क्या कर सकते हैं ?
- (घ) धरती का अंतर कैसे, क्यों हिल जाता है ?
- (ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : 'मन-दीपक निष्कंप जलो रे !'

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

15

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं, इस बात पर प्रायः बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताक़त बना लिया जाए, तो न सिर्फ़ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरोध नहीं, बल्कि ताक़त बना लिया। 'सुख-दुख, सफलता-असफलता, शान्ति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है।' जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक *यू द हीलर* में लिखते हैं कि मन-मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है।

दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि यह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली हैं, जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर हैं, तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती हैं। हमारा दिमाग जिस चीज़ पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता है, वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे, तो वे और बड़ी होती महसूस होंगी। अगर अपनी शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तो वे भी बड़ी महसूस होंगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि 'जीतना एक आदत है, पर अफ़सोस ! हारना भी आदत ही है।'

- (क) दबाव में काम करने के नकारात्मक प्रभाव समझाइए। 2
- (ख) दबाव हमारी सफलता का कारण कब और कैसे बन सकता है ? 2
- (ग) दबाव में सकारात्मक सोच क्या हो सकती है ? स्पष्ट कीजिए। 2
- (घ) काम करने की प्रक्रिया में मन, मस्तिष्क और शरीर के संबंध को अपने शब्दों में समझाइए। 2
- (ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : 'जीतना एक आदत है, पर अफ़सोस ! हारना भी आदत ही है।' 2
- (च) गद्यांश के केंद्रीय भाव को लगभग 20 शब्दों में लिखिए। 2
- (छ) अपनी क्षमताओं को जगाने में या समस्याओं को बड़ा महसूस करने में हमारी सोच की क्या भूमिका है ? 2
- (ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

3. निकट के शहर से आपके गाँव तक की सड़क का रख-रखाव संतोषजनक नहीं है। मुख्य अभियंता, लोक-निर्माण विभाग को एक पत्र लिखकर तुरन्त कार्यवाही का अनुरोध कीजिए। समस्या के निदान के लिए एक सुझाव भी दीजिए।

5

अथवा

किसी पर्यटन स्थल के होटल के प्रबंधक को निर्धारित तिथियों पर होटल के दो सुइट् (कमरे) आरक्षित करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए। पत्र में उन्हें कारण भी बताइए कि आपने वही होटल क्यों चुना।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

5

- (क) पड़ोसी देश
(ख) मनोरंजन की दुनिया
(ग) विकास के पथ पर भारत
(घ) नारी-सशक्तीकरण

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

1×5=5

- (क) 'फीडबैक' से क्या तात्पर्य है ?
(ख) पीत पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?
(ग) 'जनसंचार' की शब्दावली में 'द्वारपाल' से क्या तात्पर्य है ?
(घ) जनसंचार-माध्यमों के किन्हीं दो कार्यों का उल्लेख कीजिए।
(ङ) 'संदेह करना पत्रकार का पहला गुण है।' ऐसा क्यों माना जाता है ?

6. 'भ्रूण-हत्या की समस्या' अथवा 'बेमेल विवाह' विषय पर एक आलेख लिखिए।

5

7. 'स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत' अथवा 'वन रहेंगे : हम रहेंगे' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए।

5

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2×4=8

अट्टालिका नहीं हैं रे
आतंक-भवन
सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव प्लावन
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर
रोग-शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर ।

- (क) कवि अट्टालिकाओं को आतंक-भवन क्यों मानता है ?
(ख) 'पंक' और 'विप्लव' का प्रतीकार्थ क्या है ?
(ग) 'जलज' किसे मानेंगे ? उसके विशेषणों के प्रयोग सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।
(घ) काव्यांश का केंद्रीय भाव समझाइए ।

अथवा

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ,
भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है ।

- (क) 'तुम', 'तुम्हारा' सर्वनाम किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?
(ख) उस 'अनजान रिश्ते' पर टिप्पणी कर बताइए कि उसका कवि पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :

“दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है”

(घ) काव्यांश के आधार पर कवि की मनःस्थिति पर टिप्पणी कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3+3=6

(क) ‘बात सीधी थी पर’ कविता में ‘भाषा को सहूलियत से बरतने’ का क्या अभिप्राय है ?

(ख) ‘कैमरे में बंद अपाहिज’ कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है’ – कैसे, समझाइए ।

(ग) ‘उषा’ कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र कैसे है ? स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3=6

भोर का नभ

राख से लीपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से

कि जैसे धूल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने

(क) काव्यांश के भाव-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) काव्यांश की अलंकार-योजना का सौंदर्य समझाइए ।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4=8

इस सद्भाव के हास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं । मानों दोनों एक-दूसरे को ठगने की घात में हों । एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाज़ार का, बल्कि इतिहास का; सत्य माना जाता है । ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है, तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है । ऐसे बाज़ार मानवता के लिए विडंबना हैं ।

(क) सद्भाव का हास कब होता है ? उसके क्या परिणाम होते हैं ?

- (ख) स्वभाव में ग्राहक-विक्रेता व्यवहार क्यों आ जाता है ? इसके लक्षण क्या हैं ?
- (ग) 'ऐसे बाज़ार को' कथन से लेखक का क्या तात्पर्य है ? वे मानवता के लिए विडंबना क्यों हैं ?
- (घ) इस गद्यांश में आज की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की क्या-क्या विशेषताएँ दिखाई पड़ती हैं ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×4=12

- (क) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना को अपने शब्दों में लिखिए ।
- (ख) अवधूत की विशेषता बताते हुए लिखिए कि शिरीष को अवधूत क्यों कहा गया है ।
- (ग) 'पहलवान की ढोलक' कहानी के आधार पर ग्रामीणों की गरीबी और असहायता पर टिप्पणी कीजिए ।
- (घ) भक्तिन के चरित्र की तीन विशेषताएँ उदाहरण-सहित समझाइए ।
- (ङ) डॉ. आंबेडकर के मतानुसार 'दासता' की व्याख्या कीजिए ।

13. पुराने होते जा रहे जीवन-मूल्यों और नए प्रचलनों के बीच यशोधर पंत के संघर्ष पर प्रकाश डालिए ।

5

14. (क) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

5

(ख) अध्यापक के रूप में सौंदलगेकर के चरित्र की विशेषताओं पर 'जूझ' पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए ।

5